<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
<u>पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)</u>

<u>मेले में कृषि विज्ञान केन्द्र एवं सरकारी संस्थाओं के स्टाल दे रहे है ज्ञानवर्धक जानकारी</u>

पंतनगर। 08 मार्च, 2019। विश्वविद्यालय में चल रहे अखिल भारतीय किसान मेला एवं उद्योग प्रदर्शनी में पंतनगर विश्वविद्यालय एवं अन्य सरकारी क्षेत्रों के स्टालों पर किसानों के लिए विभिन्न उत्पादन तकनीकों का प्रदर्शन किया गया है, जो सभी प्रकार के किसानों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक हैं। विश्वविद्यालय के उत्तराखण्ड में फैले कृषि विज्ञान केन्द्रों के स्टालों पर विभिन्न सब्जी एवं फलों की उत्पादन तकनीकें किसानों को बतायी जा रही हैं। कृषि विज्ञान केन्द्र, काशीपुर के स्टाल पर महिलाओं को सशक्त करने की विधाओं की जानकारियां एवं उनके द्वारा बनाये गये उत्पाद ने महिलाओं को अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं। राजमा के पांच जर्मप्लाजम के साथ काला भट्टा, बड़ी इलाइची, और आडू के बीज, मशरूम के आचार, सूखे मशरूम तथा लाल धान की घरेलू प्रजातियों की जानकारी पिथौरागढ़ जिले के गैना अंचोली में स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र के स्टाल पर दी जा रही है। कृषि विज्ञान केन्द्र धनौरी (हरिद्वार) पर गन्ने की को.पंत-03220, 5224, 5011, 0238 के साथ धान की विभिन्न किस्मों की उत्पादन तकनीक किसानों को बतायी जा रही है। ग्वालदम, चमोली के स्टाल पर रामदाना के लड्डू, सोयाबीन, गहत, लोबिया, मंडुवा के बीजों की प्रदर्शनी किसानों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। जैविक हल्दी, पहाड़ी लहसुन, तेजपत्ता, सौंठ चूर्ण की जानकारी चम्पावत के के.वी.के. के स्टाल पर दी जा रही है। विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के स्टालों पर भी वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों द्वारा किसानों की आय दोगुनी करने हेतु नयी-नयी जानकारियां आगन्तुकों को दी जा रही हैं। विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अल्मोड़ा के स्टाल में पर्वतीय क्षेत्रों में खेती को सुलभ बनाने हेतु उपकरण और पर्वतीय फसलों के मक्का, धान, मसूर, मंडुवा, मादिरा आदि फसलों के बीजों का प्रदर्शन किसानों के आकर्षण का केन्द्र है। शहतूती रेशम, अरण्डी रेशम, मूंगा रेशम, एरी रेशम, ओक और ट्रापिकल टसर रेशम बनाने की जानकारी रेशम विकास विभाग के स्टाल पर दी जा रही है। सुनियोजित खेती विकास केन्द्र (पीएफडीसी) के स्टाल पर शिमला मिर्च की पीली किस्म स्वर्णा, लाल प्रजाति इन्द्रा, टमाटर की हिमसोना, चप्पन कद्दू की कोरा एफ-१, लाल पत्ता गोभी की रेडबाल के साथ नेटहाउस बनाने के नेट के नमूने की जानकारी दी जा रही थी। पंतनगर विश्वविद्यालय एवं आत्मा के सौजन्य से रेशम, मत्स्य, पशुपालन, उद्यान एवं खाद्यान्न के स्टालों पर जानकारियां दी जा रही हैं। अन्य कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा भी अपने-अपने क्षेत्र की फसलों की उत्पादन तकनीक किसानों को बतायी जा रही हैं।

वस्तुतः ये एवं ऐसे अन्य सरकारी संस्थाओं के स्टाल अपनी-अपनी जानकारियों से किसानों को उन्नत तकनीकें एवं विधियां देने का भरसक प्रयास कर रहे हैं, जिससे वे कम व्यय में अधिक उत्पादन एवं आय प्राप्त कर सकें।

पंतनगर विश्वविद्यालय के विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों के स्टालों पर प्रदर्शित तकनीक।